पी०के०महान्ति, सचिव,

उत्तराखण्ड शारान।

सेवा में,

आयुक्त, ग्राम्य विकास उत्तराखण्ड पौडी । •

धाम्य विकास अनुभागः देहरादूनः दिनांकः ८२ मार्च, २००७ विषयः-राष्ट्रीय नायोगैस के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष २००६-२००७ में आवंदित धनराशि की वित्तीय स्वीकृत ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 3576/5-वजट/रा.बा./ 06-07 दिनंक 5-2-2007 भारत सरकार के शासनादेश संख्या-5 -48/2006-वी.ई. दिनंक 25-9-2006 के अनुक्रम में मुझे यह करने का निदेश हुआ है कि विस्तीय वर्ष 2006-07 में प्रथम किश्त के रूप में भारत सरकार द्वारा अर्जोटेत धनराश रू० 8,40,000 (रूपये आढ लाख वालीस रुजार मात्र) के सापेक्ष रू० 8,40,000 (रूपये आढ लाख वालीस रुजार मात्र) की धनराश भी राज्यपाल महोदय वालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में खय हेतु आपके निर्वतन पर रखने की सहषं रवीकृति निम्न शर्तो एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं।

- 2- उक्त आवंदित धनराशि की जनपदवार फांट इन जनपदों हेंतु निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष अपने स्तर से नियमानुसार करें तथा अनुसूचित जातियों । जनजातियों हेतु योजना के अन्तर्गत विभाजन इन जातियों हेतु राज्य में लागू प्रतिशतता के आधार पर नियमानुसार किया जाय ।
- 3- उक्त धनराशि का आबंटन वर्तमान नियमों/आदेशों तथा नियोरित मानकों के अनुसार किया जायेगा तथा भारत सरकार के दिशा निर्देशों का पालन भी सुनिश्चित किया जायेगा । धनराशि का किसी भी दशा में व्यवतंत्र नहीं किया जायेगा तथा उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्पारित समय में भारत सरकार/राज्य सरकार को उपलब्ध कराया जाये 1
- 4- उवत स्वीकृत धनराशि का उपयोग समय- समय पर भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा निर्गत निर्देशों। गाइडलाईन्स के अनुसार योजना के अंतर्गत किया जायेगा । धनराशि का एक मुश्त आहरण न कर आवश्यकतानुसार ही उगहरण किया जायेगा ।
- 5- उन्न परा २ से 5 तक में उल्लिखित शर्तों का अनुपालन विभाग में तैनात नियंत्रक मुख्य/वरिष्ठ/सहावक लेखाधिकारी जैसी भी रिथित हो सुनिश्चित करेंगे । यदि निर्धारित शर्तों का किसी प्रकार विचलन हो तो सम्बंधित विस्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि सूचना सम्पूर्ण विवरण सहित तुरन्त विस्त विभाग को दे दी नाथ ।
- 6- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय- व्ययक के अनुदान संख्या 19 के अंतर्गत लेखाशीर्षक-2515- अन्य ग्राम विकास कार्यकम-आयोजनागत-00-102-सामुदायिक विकास-01-केन्द्रीय आयोजनागत। केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-0101-राष्ट्रीय परियोजना बायोगीस विकास संयत्रों की स्थापना (शत प्रतिशत के0 स0 |-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता की सुसंगत इकाईयों के नामें डाला जायेगा।
- 7- उक्त स्वीकृति वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 492 वित्त अनुभाग-४ 2007 दिनोंक 28 फरवरी 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

(पी०के०महान्ति) सचिव

भवदीय

संख्याः / 3 3 <u>(1)/</u> XI/06/56(69)/2003 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- महालेखाकार/लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड सहारवपुर रोड माजरा, देहरादून
- २- सम्बन्धित वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तरसाण्ड ।
- 3- आयुक्त, मदक्तल एवं कुमाऊँ मण्डल ।
- 4- सम्बन्धित जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड
- ५- सम्बन्धित, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण उत्तराखण्ड ।
- अनु सचिव, अपरापरित ऊर्जा धोत्र मुख्य विकास अधिकारी/अधिशासी निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण उत्तराखण्ड
- ६- सम्बन्धित जिला विकास अधिकारी, उत्तराखण्ड ।
- 7- सम्बन्धित परियोजना निदशक संत्रालय भारत सरकार बावोगैस डिवीजन लोबी रोड, नई दिल्ली ।
- ९- निदेशक कोषागार एवं विला सेवायँ उत्तराखण्ड, २३- लक्ष्मी रोड देहरादून ।
- १०- निजी सचिव- मा० मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड को मा० मुख्यमंत्री जी के अवलोकनार्थ ।
- १ १ ्रिवेर्शक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र उत्तराखण्ड देहरादून ।
- 12- वित्त (व्यय नियत्रंण) अनुभाग-४ उत्तराखण्ड शासन
- 13- गार्ड फाईल

आजा से.

(दमयनी दोहरे) अपर सचिव